**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न संख्‍या-\*282**

**बुधवार, 25 अप्रैल, 2012/5 वैशाख, 1934 (शक)**

महिला-कामगारों की संख्या में कमी होना

\*282. श्री डी. बंदोपाध्यायः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एन एस एस ओ) के ''की इन्डीकेटर्स ऑफ इम्प्लॉयमेंट एण्ड अनइम्प्लॉयमेंट इन इंडिया 2009-10'' नामक प्रतिवेदन की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त प्रतिवेदन में विभिन्न कार्यों में महिलाओं की भागीदारी की दर में अत्‍यधिक गिरावट आने के संकेत दिए गए हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या इसका आशय यह है कि पूर्वानुमान के अनुसार, अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के फलस्वरूप श्रम-बल में महिलाओं को स्थान प्रदान किए जाने के बजाए महिला श्रम बल का विस्थापन हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इस चिन्ताजनक प्रवृत्ति में बदलाव के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या सुधारात्मक कार्यवाही करने पर विचार किया जा रहा है?

**उत्‍तर**

**श्रम और रोजगार मंत्री**

**(श्री मल्लिकार्जुन खरगे)**

(क से घ) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

**श्री डी. बंदोपाध्याय द्वारा पूछे गए राज्‍य सभा के दिनांक 25.04.2012 के महिला कामगारों की संख्‍या में कमी से संबंधित तारांकित प्रश्‍न संख्‍या \*282 के भाग (क से घ) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण।**

**(क) जी, हाँ।**

(ख एवं ग) रोजगार तथा बेरोजगारी के विश्‍वसनीय अनुमान राष्‍ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा कराए गए पंचवर्षीय श्रम बल सर्वेक्षणों के माध्‍यम से प्राप्‍त किए जाते हैं। ऐसा पिछला सर्वेक्षण वर्ष 2009-10 के दौरान किया गया था। सर्वेक्षणों के हाल ही के दो नवीनतम चक्रों के अनुसार, सामान्‍य स्थिति के आधार पर महिलाओं की रोजगार वृद्धि दर 2004-05 के 28.7 प्रतिशत से कम होकर 2009-10 में 22.8 प्रतिशत रह गई है। **2004-05 से 2009-10 के दौरान रोजगार की वृद्धि दर में कमी के कारण हैं- विशेषकर महिलाओं में श्रम बल भागीदारी दर में भारी कमी, सहायक रोजगार में कमी, वास्तविक मजदूरी में वृद्धि के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आय के स्तर में वृद्धि, शिक्षा में भागीदारी का उच्चतर स्तर इत्यादि। देश में महिलाओं के रोजगार पर उदारीकरण के प्रभाव का मूल्‍यांकन करने के लिए मैक्रो स्‍तर पर कोई विशेष अध्‍ययन नहीं कराया गया है।**

**(घ) महिलाओं की रोजगारपरकता एवं कौशलों को बढ़ाने के उद्देश्‍य से श्रम एवं रोजगार मंत्रालय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्‍थानों, राष्‍ट्रीय व्‍यावसायिक प्रशिक्षण संस्‍थानों एवं क्षेत्रीय व्‍यावसायिक प्रशिक्षण संस्‍थानों के नेटवर्क के माध्‍यम से उनको प्रशिक्षण प्रदान करता है। कौशल विकास पहल योजना के तहत बड़ी संख्‍या में महिलाओं को माड्यूलर रोजगारपरक कौशलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। सरकार, अतिलघु, लघु एवं मध्‍यम उद्यम मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे उद्यमीय विकास कार्यक्रमों के अतिरिक्‍त स्‍वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना, स्‍वर्णजयंती ग्राम स्‍व-रोजगार योजना, महात्‍मा गांधी राष्‍ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम जैसे विभिन्‍न रोजगार सृजन कार्यक्रमों का कार्यान्‍वयन करती रही है।**

**\*\*\*\*\***